परिवर्तन का सिद्धांत
(थ्योरी ऑफ चेंज) एक रूपरेखा

परिवर्तन का सिद्धांत सामाजिक-नागरिक संस्थाओं के लिए उनकी पहल की योजना बनाने, उन्हें लागू और उनका मूल्यांकन करने के लिए एक रोडमैप है। यह किसी परियोजना या पहल में क्रियाकलापों और परिणामों के बीच तार्किक संबंधों को रेखांकित करता है। इसके माध्यम से गतिविधियों, आउटपुट, परिणामों और प्रभावों के बीच कारण-और-प्रभाव संबंधों को स्थापित किया जाता है। ये संस्था के आगे के काम के लिए एक खाका प्रदान करने और संभावित प्रभावों का अनुमान लगाने में उपयोगी है। परिवर्तन का सिद्धांत हमें यह निर्धारित करने में भी मार्गदर्शन करता है कि क्या, कब और कैसे मूल्यांकन किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर यह प्रक्रिया हमारे पहल और सामाजिक परिवर्तन के बारे में हमारे सोचने के तरीके को स्पष्ट और सरल बनाने में मदद कर सकती है।

समस्या और लक्ष्य

1. परिस्थिति व समस्या क्या है?

1. जिस विषय पर आप पहल करना चाहते हैं, वह समस्या/ विषय क्या है? यह महत्वपूर्ण क्यों है? इसके प्रभाव क्या हैं? (तथ्यात्मक विश्लेषण)
2. समस्या के कारण क्या हैं? (तात्कालिक, आधारभूत और संरचनागत कारण)
3. समस्या के मूल सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक कारण क्या हैं?
4. इससे सम्बंधित अधिनियम, नीतियाँ और कार्यक्रम और उनकी स्थिति क्या हैं?

2. कौन (लोग/समुदाय) समस्या से प्रभावित हैं?

5. जिस क्षेत्र की समस्या है उसका परिचय?
6. इस समस्या से कौन से लोग/समुदाय प्रभावित हैं?
7. वह किस तरह प्रभावित है? जनसंख्या, क्षेत्र का दायरा, सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक पहलुओं की जानकारी के साथ विवरण देना है।
8. क्या लोग स्वयं इसे समस्या मानते हैं? वे स्वयं समस्या को हल करने के लिए कितना तैयार हैं? इसको लेकर चुनौतियां क्या है?

3. समस्या पर पहल क्यों? (कारण)

9. इस विषय या समस्या पर पहल क्यों कर रहे हैं?
10. वास्तव में मुख्य प्रेरणा क्या है?

4. बदलना क्या है?

11. कौन सी स्थिति या व्यवहार बदलने से लोगों/समाज की समस्या का निराकरण हो सकता है? यह बदलाव कैसे आएगा?
12. काम करने के कौन से नए तरीके होंगे, जिनसे लोग इस बदलाव की प्रक्रिया से जुड़ेंगे।

तैयारी और क्रियान्वयन

5. रणनीतिक उद्देश्य क्या हैं?

13. इन बिन्दुओं में अपने रणनीतिक उद्देश्यों को स्पष्ट कर दें - समस्या क्या है? इसके मूल कारण क्या हैं? समस्या का निराकरण क्यों जरूरी है? संस्था किस रणनीति से काम करेगी? क्या परिणाम हासिल होंगे?

6. पहल की रूपरेखा/निवेश क्या है?

14. विषय या समस्या पर पहल करने के लिए किस तरह के संसाधनों की जरूरत है? कौन से संसाधन उपलब्ध हैं और कौन से संसाधनों को जुटाने की जरूरत है?
15. इस विषय/समस्या पर क्या पहले से कोई कार्यक्रम चल रहे हैं? उनका स्वरूप क्या है? उनसे जुड़ाव या अलग कैसे है?
16. समाधान की आपकी कोई भी 5 रणनीतियां क्या हैं?
17. ये रणनीतियां बिंदु-1 और बिंदु-15 को कैसे जोड़ती हैं?
18. अपनी रणनीतियों को किन गतिविधियों के माध्यम से लागू करेंगे?
19. संस्था की अपनी क्षमताएं क्या हैं? क्षमताओं को कैसे बढ़ाएंगे?

7. पहल में साझेदार कौन हैं?

20. इस पहल में आपके मुख्य साझेदार कौन हैं? इस सूची में उन्हें शामिल करें, जो सीधे विषय/समस्या को प्रभावित करते हैं या फिर समाधान प्राप्त करने में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

8. नज़रिया/सोच (अप्रोच) क्या है?

21. काम करने के दौरान के उसूलों और सिद्धांतों का ध्यान रखा जाएगा, किन बातों से समझौता नहीं किया जाएगा?
22. काम करने के तरीके क्या होंगे?
23. कार्यक्रम में क्या चुनौतियां होंगी और उनसे कैसे निबटेंगे?

9. अपने काम को प्रमाण आधारित कैसे बनायेंगे?

24. संस्था अपने कार्यक्रम के दौरान विषय/ समस्या के विश्लेषण, अपने अनुभवों और सीखों को दर्ज करते हुए कैसे इनका दस्तावेजीकरण करेगी?

10. निगरानी और समीक्षा की व्यवस्था क्या है?

25. संस्था अपनी पहल की निगरानी और समीक्षा कैसे करेगी? इसने आधार और मानक क्या होंगे ?

परिणाम

11. कार्यक्रम का दायरा क्या है?

26. जो बदलाव लाना चाहते हैं, उसे सामने रखते हुए पांच बिंदु स्पष्ट करिए कि आप अपने लक्ष्य तक कैसे पहुंचेंगे? कितने क्षेत्र में काम करेंगे? कितने लोगों के साथ काम करेंगे? किन नीतियों या योजनाओं पर काम करेंगे?

12. हासिल (उपलब्धियां) क्या होंगे?

27. जो रणनीतियां और गतिविधियां (बिंदु-6 के अनुसार) तय की गई हैं, उनकी क्या उपलब्धियां होंगी? उन्हें कैसे गिना/देखा/मापा जाएगा? इन्हें सत्यापित और प्रमाणित कैसे करेंगे?

13. लघु अवधि के परिणाम

28. कार्यक्रम शुरू होने के एक से दो साल के भीतर कौन से परिणाम हासिल होंगे? (लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा में सबसे पहले कहां पहुंचेंगे?), इन्हें सत्यापित और प्रमाणित कैसे करेंगे?

14. माध्यम अवधि के परिणाम

29. कार्यक्रम शुरू होने के 3 से 5 साल के भीतर कौन से परिणाम हासिल होंगे?
30. इन्हें सत्यापित और प्रमाणित कैसे करेंगे?

15. दीर्घ या लम्बी अवधि के परिणाम

31. दस साल की अवधि में समस्या की स्थिति में कितना समाधानात्मक बदलाव आएगा? इन्हें सत्यापित और प्रमाणित कैसे करेंगे?
32. आपका सपना क्या है? आपके कार्यक्रम के परिणामस्वरूप लोगों की स्थिति में क्या बदलाव आएगा? नीतियों और व्यवस्था में क्या बदलाव आएगा? (बिंदु-1 के अनुसार)

विकास संवाद

रणनीतिक संचार केंद्र (विकास संवाद का उपक्रम)

ए-5, आयकर कॉलोनी, जी-3, गुलमोहर कॉलोनी, बावड़िया कलां, भोपाल (म.प्र.)-462039

फोन नं. : 0755-4252789, ईमेल : communication@vssmp.org / www.vssmp.org